सत्यार्थी को जेकेएलयू लॉरीअट अवार्ड

जयपुर, (कासं)। बाल अधिकारों की लड़ाई में निरंतर योगदान देने वाले नोबेल शांति पुरस्कार विजेता कैलाश सत्यार्थी को प्रतिष्ठित जेके लक्ष्मीपत यूनिवर्सिटी लॉरीअट अवार्ड से सम्मानित किया गया।

बच्चों के शिक्षा के अधिकार और बाल मजदूरी से मुक्ति हेतु किए गए अद्वितीय प्रयासों के लिए उन्हें

■ **बिड़ला सभागार में आयोजित हुआ सम्मान समारोह**

शनिवार 1 अक्टूबर को बीएम बिड़ला सभागार में इस पुरस्कार से नवाजा गया।

जेके लक्ष्मीपत यूनिवर्सिटी के चांसलर भरत हरी सिंघानिया ने नोबेल शांति पुरस्कार विजेता कैलाश सत्यार्थी को 'जेकेएलयू लॉरीअट अवार्ड-2016' से सम्मानित किया। इस मौके पर यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर डॉ आर एल रैना भी मौजूद थे। फोटो-राष्ट्रदूत

शिक्षा के द्वारा स्वतंत्रता सामाजिक शंति का आधार होता है। नोबल पुरस्कार विजेता कैलाश सत्यार्थी ने हरी शंकर सिंघानिया मेमोरियल संभाषण के दौरान कहा कि लोग पैदा तो गरीब हो सकते हैं, लेकिन शिक्षा के द्वारा सश सशक्तिकरण के माध्यम से उनकी तकदीर बदल सकती है। उन्होंने कहा, ''शिक्षा सामाजिक बदलाव लाने के लिए पहली आवश्यकता है, जो लोगों को गरीबी से मुक्ति दिलाएगी।'' जेके लक्ष्मीपत यूनिवर्सिटी के चांसलर भरत हरी सिंघानिया ने कहा, ''कैलाश सत्यार्थी वैश्विक समुदाय के उच्चतम सम्मान की पात्रता रखते हैं।

हम उनका आभार व्यक्त करते हैं कि उन्होंने जेकेएलयू लॉरीअट अवार्ड लेने तथा हरी शंकर सिंघानिया मैमोरियल ओरेशन (विषय-स्टीमुलेटिंग यूथ टू फील द चाइल्ड इनसाइड दैम) में व्याख्यान देने के लिए स्वीकृति प्रदान की। आपने बच्चों को गुलामी और शोषण के भयानक चंगुल से बचाया है।